

श्री विष्णु चालीसा

॥ दोहा ॥

विष्णु सूनिए बिनय सेवक की चितलाय।
कीरत कुछ रणना करौ दीजय ज्ञान बताय।

॥ चौपाई ॥

नमो विष्णु भगवान घरायी। कष्ट नशावन आखिल विहायी॥
प्रबल जगत मैशक्ति तुम्हायी। त्रिभुवन फैल रही उज्जियायी॥
सुनुर रूप मनोहर सुरत। सरल द्वाव मोहनी मुरत॥
तन पर शीताहर अति सोहत। बैजक्ती माला मन मोहत॥
शङ्ख चक्र कर गदा बिराजे। देवत देता असुर दल भाजे॥
सत्य धर्म मद लोड न गाजे। काम क्रोध मद लोड न छाजे॥
सत्त भज सज्जन मनरञ्जन। दनुज असुर मुट्ठन दल गञ्जन॥
सुख उपजाय कष्ट सब भज्जन। दोष मिटाय करत जन सज्जन॥
पाप काट डर सिक्कु उतारण। कष्ट नाशकर भज्जु उवारण॥
करत अनेक रूप प्रभु धारण। केवल आप भक्ति के कारण॥
धरणि धेनु बन तुमहि पूरकाय। तब तुम रूप राम का धारा॥
भार उतार असुर दल मारा। रावन आदिक को संहरा॥
आप बराह रूप बनाया। हरणाक्ष को मार गिराय॥
धर महसु तन सिक्कु बनाय। चैदह रतनन को निकलाय॥
अमिलथ असुरन छल मचाया। रूप मोहनी आप दिखाय॥
देवन को अमृत पान कराया। असुरन को छवि से बहलाय॥
तुर्म रूप धर सिक्कु मधाया। मस्ताचल गिरि तुरत उठाय॥
शक्तर का तुम झन्द छुड़ाया। भस्मासुर को रूप दिखाय॥
वेदन को जब असुर भुवाया। कर प्रबन्ध उन्हेह तुल्याय॥
मोहित बनकर खलहि नचाया। उसहि कर से भस्म कराय॥
असुर जलक्तर अति बलदाई। शक्तर से उन कीन्ह लड़ाइ॥
हार पार शिव सकल बनायी। कीन सती से छल खल जाइ॥
सुमिरन कीन तुमहि शिवरानी। बृन्दा की सब सूरति भुलानी॥
तब तुम बने मुनीश्वर ज्यानी। बृन्दा की सब सूरति भुलानी॥
देवत तीन दनुज शरितानी। बृन्दा आय तुमहि लपटानी॥
हो स्पर्श धर्म कृति मानी। हना असुर उर शिव शरितानी॥
तुमने ख्रब प्रहलाद उवारे। हिरण्याकुश आदिक खल मारे॥
गणका ओर अजामिल तारे। बहुत भज्जु भव सिक्कु उतारे॥
हरह सकल सन्ताप हमारे। कृपा करह हरि सिरजन हारे॥
देवत्त मय निज दरश तुम्हारे। दीन बन्धु भज्जन हितकारे॥
चहत आपका सेवक दर्शन। करह दरय अपनि मधुसूदन॥
जानू नहि योगा जप पूजन। होय यज्ञ स्तुति अनुमोदन॥
शीलदय संतोष सूलक्षण। विदित नहि ऋतवोध विलक्षण॥
करहि आपका किस विव पूजन। कुमति विलोक होत दूध तीष्ण॥
करहि प्रणाम कीन विकिसुमिरण। कीन भाति मय करह समर्पण॥
सुर मूलि करत सदा सेवकायी। हर्षित रहत परम गति पायी॥
दीन दुर्धिन पर सदा सहायी। निज जन जान लेव अपनायी॥
पाप दोष सन्ताप नशाण। भव-बन्धन से मूल कराण॥
सुख सम्पत्ति दे सुख उपजाण। निज चरनन का दास बनाण॥
निगम सदा थे बिनय सुनाण। पौड़े सूने सो जन सुख पाण॥